Balance Sheet

बैलेंस शीट का आशय ऐसे statement से है जो की एक निश्चित तारीख़ पर व्यवसाय की वित्तीय स्थिति को प्रकट करता है। अर्थात बैलेंस शीट व्यापारी की आर्थिक स्थिति का विवरण होता है |

साधारण शब्दों में कह सकते है की एक निश्चित समय पर एक व्यापार या संगठन की संपत्तियां, देनदारियों, और पूँजी (Share Capital) के विवरण को बैलेंस शीट कहते हैं। आम तौर पर इसे कंपनी या संगठन के वित्तीय वर्ष के अंत में बनाया जाता है| बैलेंस शीट को Profit and Loss Account यानी लाभ हानि खाते के बाद तैयार किया जाता है

बैलेंस शीट में दो पक्ष होते है एक दायित्व (liability) और दूसरा संपत्ति पक्ष (Asset) | दायित्व पक्ष में व्यापार के सभी दायित्व लिखे जाते है जैसे- पूंजी (Capital),लेनदार (Creditor) बैंक ऋण (bank loan)आदि | तथा संपत्ति पक्ष में व्यापार की समस्त संपत्तियां लिखी जाती है जैसे रोकड़ (Cash),देनदार (Debtors),मशीन (machine) ,फर्नीचर (furniture),प्लांट (plant) आदि |

बैलेंस शीट में संपत्ति(Assets) और दायित्व (Liability) दोनों पक्षों का जोड़ बराबर होना चाहिए |अगर दोनों पक्षों का योग बराबर नहीं है तो इसका अर्थ है की जर्नल एंट्रीज़ में या लेज़रिंग में कोई गलती की गई है |

बैलेंस शीट एक ऐसी रिपोर्ट होती है जिससे एक व्यापारी की किसी विशेष तिथि को सम्पति एंव देयधन की संपूर्ण जानकारी ली जा सकती है | इसका उदेश्य एक निश्चित समय में कंपनी के मालिक की सही financial condition बताना है ताकि वो भविष्य में अपनी कंपनी के आगे के काम को निर्धारित कर सके।

Balance Sheet में दो पक्ष होते है जिसमे बायें पक्ष को Capital And Liabilities (पूंजी व दायित्व पक्ष) कहा जाता है तथा दायें पक्ष को Assets And Properties (सम्पत्ति व जायदाद) कहा जाता हैं।

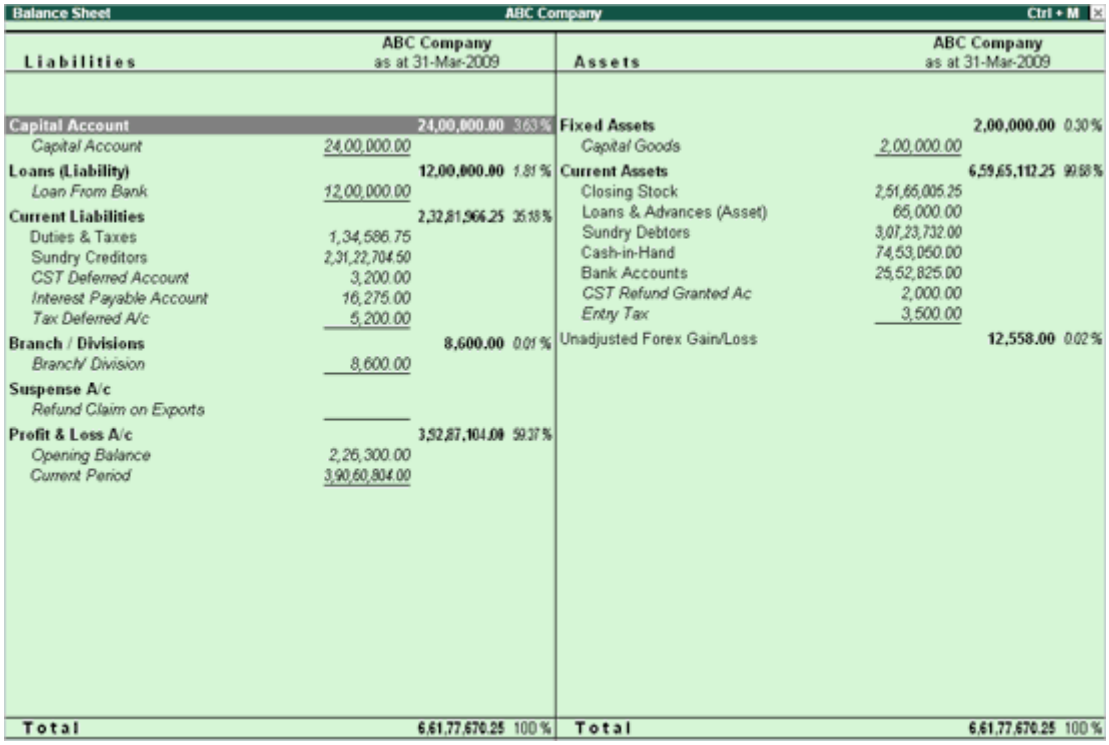

Balance Sheet — ABC Company — Ctrl + M

Liabilities	ABC Company as at 31-Mar-2009		Assets	ABC Company as at 31-Mar-2009	
Capital Account		24,00,000.00 3.63 %	**Fixed Assets**		2,00,000.00 0.30 %
Capital Account	24,00,000.00		*Capital Goods*	2,00,000.00	
Loans (Liability)		12,00,000.00 1.81 %	**Current Assets**		6,59,65,112.25 99.68 %
Loan From Bank	12,00,000.00		Closing Stock	2,51,66,005.25	
Current Liabilities		2,32,81,966.25 35.18 %	Loans & Advances (Asset)	65,000.00	
Duties & Taxes	1,34,586.75		Sundry Debtors	3,07,23,732.00	
Sundry Creditors	2,31,22,704.50		Cash-in-Hand	74,53,050.00	
CST Deferred Account	3,200.00		Bank Accounts	25,52,825.00	
Interest Payable Account	16,275.00		*CST Refund Granted Ac*	2,000.00	
Tax Deferred A/c	5,200.00		*Entry Tax*	3,500.00	
Branch / Divisions		8,600.00 0.01 %	Unadjusted Forex Gain/Loss		12,558.00 0.02 %
Branch/ Division	8,600.00				
Suspense A/c					
Refund Claim on Exports					
Profit & Loss A/c		3,52,87,104.00 53.37 %			
Opening Balance	2,26,300.00				
Current Period	3,90,60,804.00				
Total		6,61,77,670.25 100 %	**Total**		6,61,77,670.25 100 %

Capital And Liabilities Side में आने वाले मदों को निम्न पांच शीर्षकों के अंतर्गत दिखाया जाता है

Share Capital (अंश पूंजी)

इस शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित तरह की पूंजी को दिखाया जाता है –

- Equity Share Capital (समता अंश पूंजी)
- Preference Share Capital (पूर्वाधिकार अंश पूंजी)

Reserve And Sur-Plus Income (संचित एवं आधिक्य)

इस शीर्षक के अंतगर्त निम्नलिखित तरह के लाभों को लिखा जाता है –

- General Reserve (सामान्य संचित)
- Capital Reserve (पूंजी संचित)
- P/L (Cr.) (लाभ-हानि जमा)
- Security Premium (प्रतिमूर्ति प्रब्याज)
- Share Forfeiture (अंशों का हरण)

Secured Loans (सुरक्षित ऋण)

इस शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित तरह के दायित्वों को दिखाया जाता है –

- Debenture (ऋणपत्र)
- Bonds (बंधन)
- Bank Loan (अधिकोष ऋण)
- Mortgage Loan (बन्धक ऋण)

Current Liabilities (चालू दायित्व)

इस शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित अल्पकालीन दायित्वों को लिखा जाता है –

- Creditor (लेनदार)
- B/P (देय विपत्र)
- Bank Overdraft (बैंक अधिविकर्ष)
- Outstanding Expense (अदत्त व्यय)
- Advance Income (अग्रिम आय)

Provisions (प्रावधान)

इस शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित प्रावधानों को लिखा जाता है –

- Provision For Bad Debts (अप्राप्य ऋण के लिए प्रावधान)
- Provision For Taxation (करो के लिए प्रावधान)
- Provision For Repairs (मरम्मती के लिए प्रावधान)

Assets And Properties Side में आने वाले मदों को निम्न तीन शीर्षकों के अंतर्गत दिखाया जाता है

- Fixed Assets (स्थायी सम्पत्ति)
- Current Assets (चालू सम्पत्ति)
- Miscellaneous Expenditure (विविध व्यय)

Fixed Assets (स्थायी सम्पत्ति)

जिस सम्पत्ति में बराबर परिवर्तन नहीं होता है, उसे इस शीर्षक के अंतर्गत दिखाया जाता है। इसमें आने वाले मदों का नाम इस प्रकार है –

- Land And Building
- Plant And Machinery
- Furniture And Fixture
- Loose Tools
- Goodwill
- Patent Right
- Trade Marks

Current Assets (चालू सम्पत्ति)

जिस संपत्ति में बराबर परिवर्तन होता रहता है, उसे इसमें दिखाया जाता है। इसके मदों का निम्नलिखित नाम है –

- Cash
- Bank
- Debtors
- B/R
- Investment
- Stock
- Prepaid Expense
- Accrued Income

Miscellaneous Expenditure (विविध व्यय)

इस शीर्षक के अंतगर्त अवास्तविक सम्पतियों को दिखाया जाता है। कुछ खर्च एवं हानियों को तत्काल सम्पत्ति के रूप में दिखाया जाता है परन्तु धीरे-धीरे इसे P/L Account में जाकर समाप्त कर दिया जाता है। निम्न मदों को इसमें दिखाया जाता है –

- Preliminary Expense (प्रारंभिक व्यय)
- Discount On Issue Of Shares (अंशो के निर्गमन पर कटौती)
- Discount On Issue Of Debentures (ऋणपत्रों के निर्गमन पर कटौती)
- Expense On Issue Of Shares (अंशो के निर्गमन पर व्यय)
- Expense On Issue Of Debentures (ऋणपत्रों के निर्गमन पर व्यय)
- P/L (Dr.)

Profit and loss Account

(लाभ-हानि खाता)

किसी कंपनी में वर्ष के अंत में सभी खर्चो की आपूर्ति के बाद होने वाले profit या loss को निर्धारित करने के लिए जो account तैयार किया जाता है उसे Profit And Loss Account कहा जाता है। profit and loss account

बनाने का प्रमुख उद्देश्य व्यवसाय के शुद्ध लाभ या शुद्ध हानि की जानकारी प्राप्त करना है। क्योंकि व्यापारी का मुख्य उद्देश्य लाभ कमाना होता है |

Profit and loss अकाउंट में दो पक्ष होते है एक डेबिट पक्ष और दूसरा क्रेडिट पक्ष | डेबिट पक्ष में व्यापार के सभी अप्रयक्ष व्यय (Indirect expenses) लिखे जाते है तथा क्रेडिट पक्ष में समस्त अप्रत्यक्ष आय (Indirect income) लिखी जाती है | इसके बाद दोनों पक्षों का योग लगाया जाता है,अगर डेबिट साइड का योग क्रेडिट से कम होता है तो लाभ होता है, जिसे शुद्ध लाभ (Net Profit) कहा जाता है। और यदि क्रेडिट साइड का योग कम होता है तो हानि होती है, जिसे शुद्ध हानि (Net Loss) कहा जाता है।

Profit And Loss Account के Debit Side में निम्नलिखित मदों को लिखा जाता है-

1. Office Expense (कार्यालय व्यय) :कार्यालय से सम्बंधित खर्चों को Office Expense कहा जाता है। Office Expense में निम्नलिखित खर्चों को शामिल किया जाता है –

- Salaries (वेतन)
- Office Rent (कार्यालय का किराया)
- Office Lighting (कार्यालय का रौशनी)
- Printing Charges (छपाई व्यय)
- Stationery (लेखन सामग्री)
- Telephone Expenses (दूर भाष व्यय)
- Audit Fees (अंकेक्षण शुल्क)

2. Selling Expenses (विक्रय व्यय) : विक्रय से सम्बंधित खर्चों को Selling Expenses कहा जाता है। Selling Expenses में निम्नलिखित खर्चों को शामिल किया जाता है –

- Carriage Out Ward (वाहरी भाड़ा)
- Advertising Expense(विज्ञापन व्यय)
- Commission (कमीशन)
- Sales Tax (विक्रय कर)

3. Other Expenses (अन्य) : कार्यालय एवं विक्रय से सम्बंधित खर्चों के अतिरिक्त होने वाले खर्चों को Other Expenses कहा जाता है।Other Expenses में निम्नलिखित खर्चों को शामिल किया जाता है –

- Legal Expense (कानूनी व्यय)
- Interest On Loan (ऋण पर ब्याज)
- Interest On Bank Loan (बैंक ऋण पर ब्याज)

4. Losses (हानियाँ) : धन में होने वाली क्षति को Losses कहा जाता है । Losses में निम्नलिखित खर्चों को शामिल किया जाता है-

- Bad Debts (अप्राप्य ऋण)
- Depreciation (ह्रास)
- Discount Allowed (छुट दिया गया)

5. Expected Losses (संभावित हानियाँ) : भविष्य में होने वाले हानियों को Expected Losses कहा जाता है। Expected Losses में निम्नलिखित खर्चों को शामिल किया जाता है –

- Reserve For Taxation (करो के लिए संचित)
- Reserve For Bad Debts (अप्राप्य ऋणों के लिए संचित)
- Reserve For Repairs (मरम्मत के लिए संचित)

Profit And Loss Account के Credit Side में निम्नलिखित मदों को लिखा जाता है –

1. Gross Profit (सकल लाभ)

2. Incomes (आमदनी)

Incomes में निम्नलिखित मदों को शामिल किया जाता है :

- Rent Received (प्राप्त किराया)
- Interest Received (प्राप्त ब्याज)
- Discount Received (प्राप्त छुट)
- Commission (प्राप्त कमीशन)

- Apprentice Premium (नवसिखिया प्रब्याज)